डी०पी०ओ० एवं सी०डी०पी०ओ० लीडरशिप डेव्लपमेंट कोर्स

ट्रेनिंग ऑफ ट्रैनर

प्रारम्भिक साक्षरता

ihat UP-TSU pci INDIA Vikramshila unicef for every child

प्रारम्भिक साक्षरता क्या है?

प्रारम्भिक साक्षरता के प्रमुख घटक

प्रारम्भिक *साक्षरता का अर्थ उन कौशलों से है जो बच्चे पारंपरिक पढ़ने और लिखने से पहले विकसित करते हैं*

सुनना

बोलना

पढ़ना

लिखना

प्रारम्भिक साक्षरता के सिद्धांत

सतत प्रक्रिया

साक्षरता विकास एक सतत प्रक्रिया है, जो जन्म से शुरू होकर विभिन्न आयु में विकासात्मक उपलब्धियों तक पहुँचती है

सांस्कृतिक रूप से प्रेरित

साक्षरता विकास बच्चे के सांस्कृतिक और भाषाई वातावरण से प्रभावित होता है।

भौतिक वातावरण

प्रिंट रिच वातावरण और लेखन सम्बंधित सामग्रियों तक पहुंच से साक्षरता विकास में वृद्धि होती है

खेल के माध्यम से सीखना

काल्पनिक खेल, चित्रकारी, कहानी सुनाना, काल्पनिक पठन और लेखन आदि के अवसर साक्षरता कौशल विकसित करते हैं

साक्षरता विकास बहुआयामी है

इसमें मौखिक भाषा विकास, ध्वनि जागरूकता, छपी सामग्री की जागरूकता और अक्षर पहचान शामिल है.

प्रारम्भिक साक्षरता कौशल

मौखिक भाषा कौशल (Oral language skills) – शब्दावली निर्माण, वाक्य निर्माण, बातचीत , संदेश भेजना और प्राप्त करना

ध्वनि पैटर्न से परिचित होना

ध्वनि जागरूकता (Phonological awareness)– विभिन्न ध्वनियों को पहचानना, उनका मिलान करना और उनमें अन्तर करना

अक्षर ध्वनि संबंध

प्रिंट जागरूकता (Print awarenss) – पुस्तक से जुड़ाव, देखकर पढ़ना , अक्षर पहचान, पढ़ने की प्रक्रिया में वाक्य को बाएं से दाएं की ओर पढ़ना , काल्पनिक लेखन, चित्र व लिखित सामग्री का संबंध

साक्षरता समृद्ध केंद्र में

प्रिंट समृद्ध वातावरण

-विभिन्न प्रकार की पठन और लेखन सामग्री

-विभिन्न वस्तुओं का लेबल

-लिखित प्रदर्शन जैसे बच्चों के नाम, निर्देश आदि।

हर रोज की जाने वाली निश्चित क्रियाएँ

-कहानी सुनाना

-प्रथम चक्र का समय के दौरान बातचीत

-पर्यावरण प्रिंट के साथ बातचीत जैसे कैलेंडर की तारीख बदलना

खूब सारी बातें!!

बच्चे खुलकर अपने विचार और भावनाएँ व्यक्त कर रहे हैं।

सीखने के कोनों में खेलने का समय

-पुस्तकों का कोना

-कला का कोना

साक्षरता गतिविधियाँ

-पुस्तक से पढ़कर सुनाना

-ध्वनि संबंधी जागरूकता और शब्द पहचान खेल

कहानियों और किताबों के प्रति प्रेम

बच्चे किताबों को मौज-मस्ती का स्रोत मानते हैं, न कि बोरिंग पढ़ाई का।

प्रारम्भिक साक्षरता के माइल स्टोन

सुनने के कौशल में आयु-अनुसार प्रगति

3-4 वर्ष के बच्चे

- अपने परिवेश की विभिन्न ध्वनियों और तेज़-धीमी ध्वनियों के बीच अंतर करते है।
- परिचित गीतों और कविताओं को सुनते और उनका आनंद लेते हैं ।
- छोटे निर्देशों को सुनते हैं और उनका पालन करते हैं ।
- छोटी अवधि की कहानियों को ध्यान से सुनते हैं ।
- बोल-बोल कर पढ़ने को सुनता है उसमें रुचि दिखाता है और सवालों के जवाब देता है।

4-5 वर्ष के बच्चे

- वातावरण की ध्वनियों में तेज और धीमे स्वरों के बीच अंतर कर पाते हैं ।
- गीतों/कविताओं में तुकांत शब्दों को गुनगुनाना और सुनना पसंद करते हैं ।
- एक बार में 2-3 चरणों के सरल निर्देशों का पालन करते हैं ।
- शब्दों में आरंभ और अंत के अक्षरों की ध्वनियों की पहचान करते हैं।

5-6 वर्ष के बच्चे

- लंबे गीतों/कविताओं को ध्यान से सुनते हैं ।
- परिचित गीतों/कविताओं से तुकांत शब्दों की पहचान करते हैं।
- एक बार में 4-5 चरणों के निर्देशों का पालन करते हैं।

प्रारम्भिक साक्षरता के माइल स्टोन

बोलने के कौशल में आयु-अनुसार प्रगति

3-4 वर्ष के बच्चे

- सरल गीतों और कविताओं को दोहराते हैं ।
- सहायता के साथ घरेलू भाषा का उपयोग करते हुए परिचित लोगों के साथ छोटे वाक्यों में बोलते हैं , ज़रूरतों और भावनाओं को व्यक्त करते हैं।
- सामान्य और परिचित व्यक्तियों, वस्तुओं, अनुभवों और अवधारणाओं के लिए उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करना शुरू करते हैं।
- शब्दों की ध्वनियों की नकल करते हैं और उस ध्वनि के अन्य शब्द बता पाते हैं ।
- अपनी कलाकृति जैसे कि ड्राइंग, क्ले मॉडल आदि के बारे में बात करते हैं।

4-5 वर्ष के बच्चे

- परिचित शब्दावली का उपयोग करके दोस्तों, परिवार और आंगनवाड़ी कार्यकत्रिओं के साथ दैनिक जीवन में बातचीत की शुरूवात करते हैं।
- सरल प्रश्न पूछते हैं ।
- कहानियों को याद करके अपने शब्दों में सुना पाते हैं ।
- विशिष्ट विषयों और अवधारणाओं से सीखी हुई शब्दावली का उपयोग करते हैं ।
- अलग-अलग ध्वनियों से शुरू होने 2-3 अक्षरों को जोड़कर सरल शब्द बनाते हैं

5-6 वर्ष के बच्चे

- कहानियों, घटनाओं, जरूरतों पर आधारित बातचीत में भाग लेते हैं ।
- अपने दैनिक अनुभवों को विस्तार से बताते हैं और प्रश्न पूछते हैं ।
- अन्य बच्चों को स्पष्ट और सरल निर्देश देते हैं ।
- कहानी के विषय के अनुसार परिचित शब्दावली का उपयोग करते हुए कहानी के क्रम और उसके क्रिया-कलाप को बता पाते हैं ।
- परिचित शब्दों को बनाने के लिए ध्वनियों को जोड़ता है।

प्रारम्भिक साक्षरता के माइल स्टोन

पढ़ने के कौशल में आयु-अनुसार प्रगति

3-4 वर्ष के बच्चे

- किताबों को सावधानी से हैंडल कर पाते हैं ।
- सामान्य चिह्न, लोगो और सामग्रिओं के लिखित नाम को पहचानते हैं ।
- लिखित सामग्री और चित्रों के बीच अंतर कर पाते हैं ।
- परिचित चित्र वाली पुस्तकों को पढ़ने का नाटक करते हैं और उसमें की गतिविधियों और वस्तुओं को पहचानते हैं ।
- शब्दों के अक्षरों को पहचानते हैं ।

4-5 वर्ष के बच्चे

- पुस्तक को ध्यान से पकड़ता है, खोलता है और पन्ने पलटकर पढ़ता है।
- बाएँ से दाएँ और ऊपर से नीचे तक पाठ को फ़ॉलो करता है।
- शब्द जैसी ध्वनियाँ निकालते हुए पढ़ने का नाटक करता है।
- अक्षरों को देखकर पहचानना और मिलती हुई ध्वनियों से जोड़ना शुरू करता है।
- परिचित अक्षरों से बने सरल दो अक्षरों वाले शब्दों को पढ़ता है।
- देखकर पढ़ता है ; और वस्तुओं को और उनके लिखित नाम को पहचानता है।

5-6 वर्ष के बच्चे

- अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले अक्षरों को पहचानता है और उसे संबंधित ध्वनियों से जोड़ता है।
- परिचित अक्षरों से बने तीन या चार अक्षरों वाले सरल शब्दों को पढ़ता है।
- देखकर पढ़ता है ; और वस्तुओं को और उनके लिखित नाम को पहचानता है।
- परिचित कहानियों की किताबों से परिचित शब्दों वाले छोटे वाक्यों को पढ़ता है।

प्रारम्भिक साक्षरता के माइल स्टोन

लेखन कौशल में आयु-अनुसार प्रगति

3-4 वर्ष के बच्चे

- अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए चाक, पेंसिल, क्रेयॉन, पेंटिंग ब्रश जैसी विभिन्न लिखने की सामग्रियों का उपयोग करता है।
- चित्र बनाने और रंग भरने के लिए सामग्रियों का उपयोग करने में दक्षता दिखाता है।
- गतिविधियों में मोटर कौशल और हाथ-आँख के समन्वय को प्रदर्शित करता है, जैसे - लिखना, कागज़ पर स्क्रिबलिंग करना, चिपकाना, स्वतंत्रता से रंग भरना, मिट्टी का काम आदि।

4-5 वर्ष के बच्चे

- गतिविधियों में अच्छे मोटर कौशल और हाथ-आंख के बीच समन्वय को प्रदर्शित करता है जैसे कि बड़े मोतियों को पिरोना, बड़ी आकृतियाँ काटना, बटन लगाना, बोतल के ढक्कन को खोलना/बंद करना, क्रेयॉन से चित्र बनाना।
- लेखन सामग्रियों का सहजता और फ्लो के साथ उपयोग करता है।
- परिचित शब्दों के पहले अक्षर को लिखना शुरू करता है।
- सटीकता के साथ आकृतियाँ और वस्तुओं को देखकर बनाता है

5-6 वर्ष के बच्चे

- दूसरों की मदद लेकर सूक्ष्म मोटर कौशलों के उपयोग में अपनी दक्षता को प्रदर्शित करता है जैसे पेंसिल से चित्र बनाना, छोटे मोतियों को पिरोना, अक्षरों को पढ़ने योग्य लिखना, आकृतियों के अन्दर रंग भरना आदि।
- परिचित अक्षरों के साथ सरल शब्द लिखता है।
- सरल शब्दों और वाक्यों को बनाता और जोड़ता है।

प्रारम्भिक साक्षरता के लेखन कौशल में प्रगति का नमूना

1

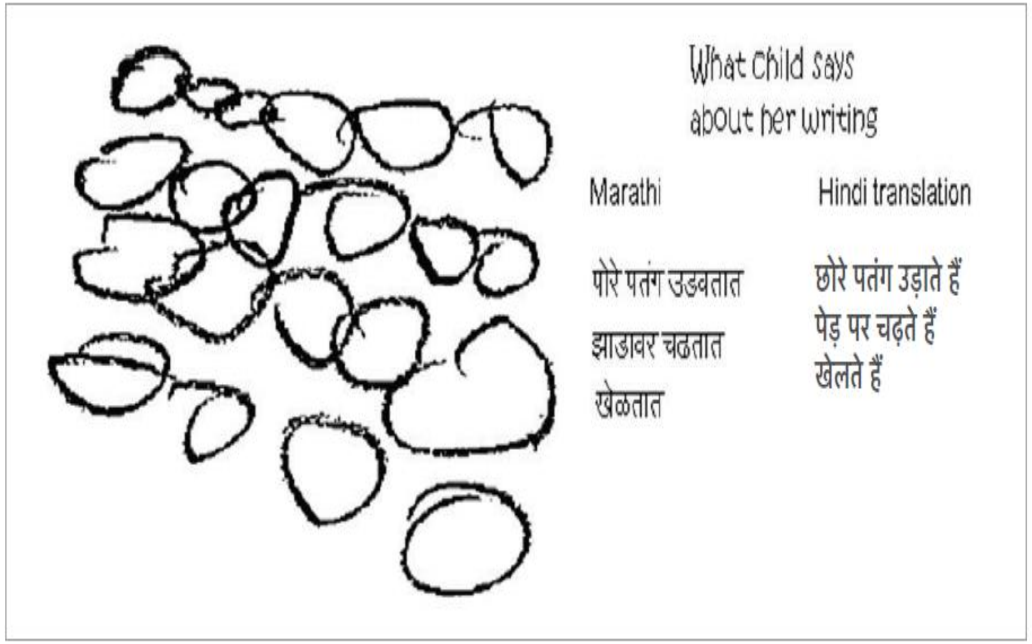

2

प्रारम्भिक साक्षरता के लेखन कौशल में प्रगति का नमूना

3

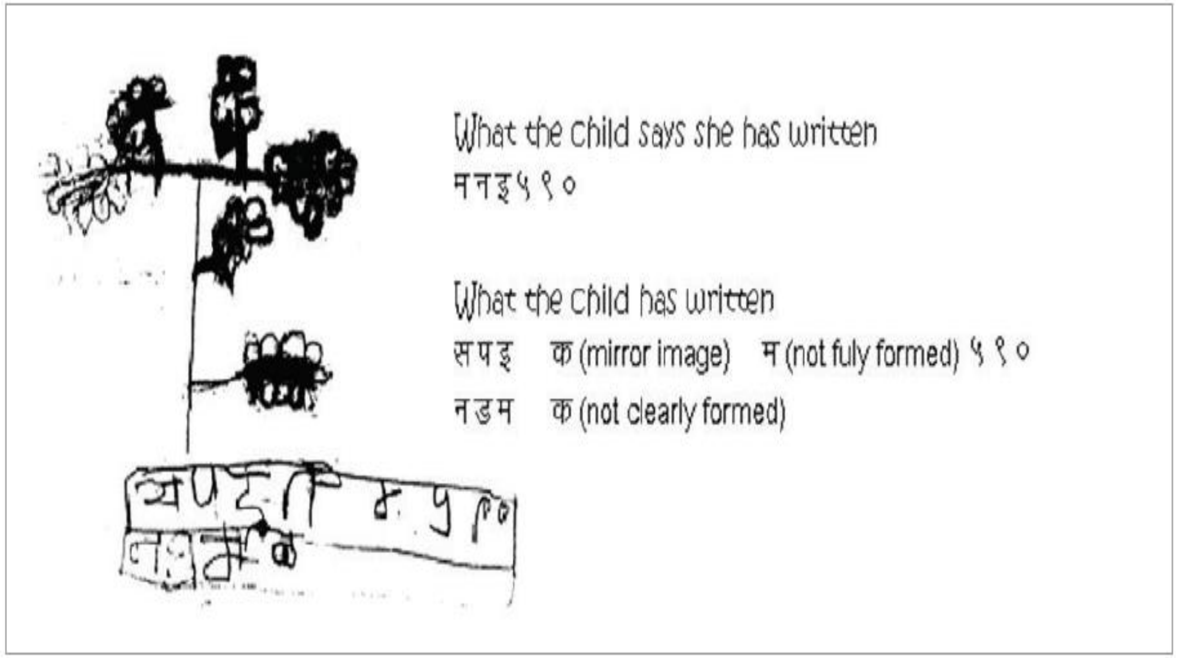

4

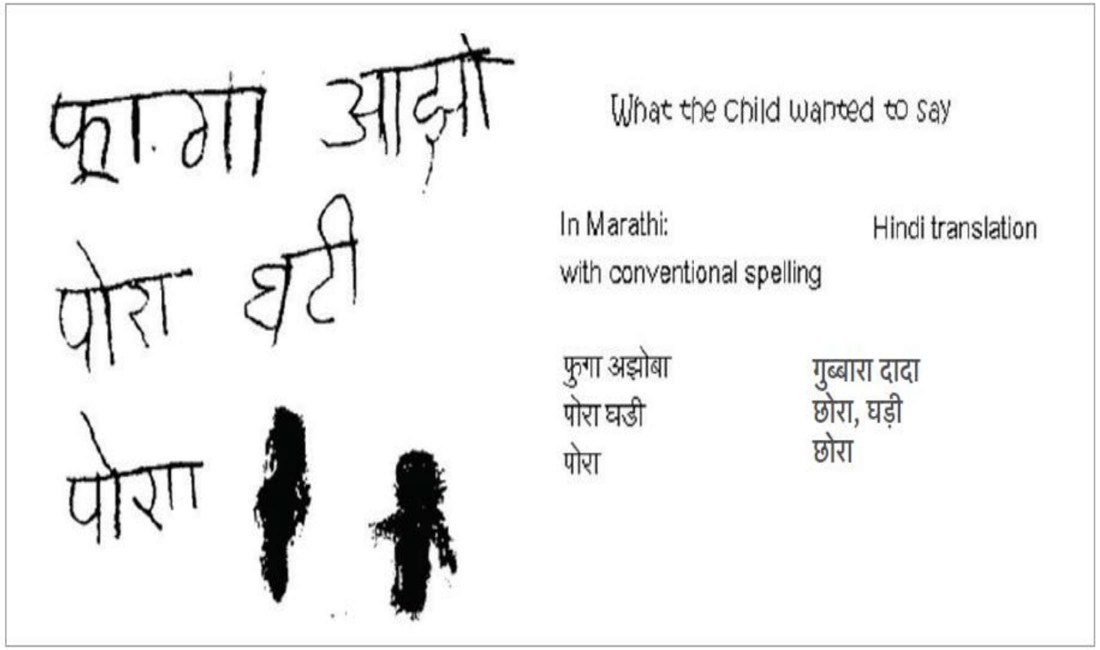

प्रारम्भिक साक्षरता के लेखन कौशल में प्रगति का नमूना

5

What the child wanted to say

In Marathi: with conventional spelling	Hindi translation
भाऊ झाडावर	भाई पेड़ पर
चढत आहे एक दादा	चढ़ रहा है एक भैया
पतंग उडवत आहे	पतंग उड़ा रहा है

6

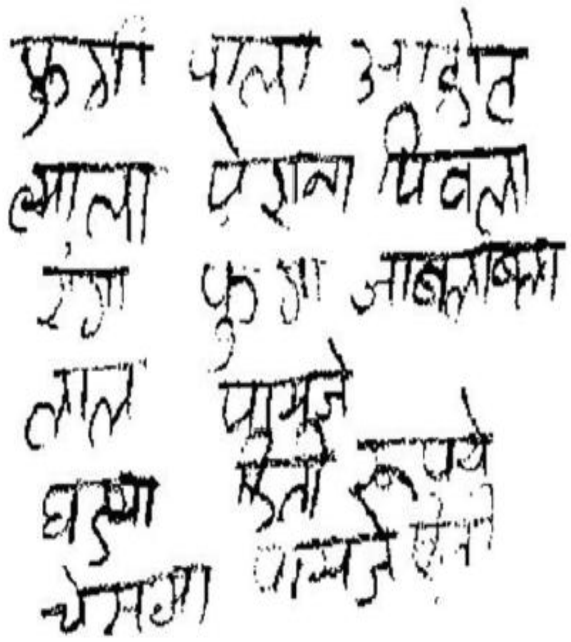

What the child wanted to say

In Marathi with conventional spelling	Hindi translation
फुगेवाला आहे	गुब्बारा वाला है
(त्याला) पोरांना पिवळा	उन छोरों को पीले
रंग फुगा, जांभळा रंग फुगा व	रंग का गुब्बारा, जामुनी रंग का गुब्बारा,
लाल रंग फुगा पाहिजे।	लाल रंग का गुब्बारा चाहिए।
घड्याळ किती रुपये?	घड़ी कितने रुपए की है?
चष्मा पाहिजे। किती?	चश्मा चाहिए। कितना हुआ?

प्रारम्भिक साक्षरता के लेखन कौशल में प्रगति का नमूना

7

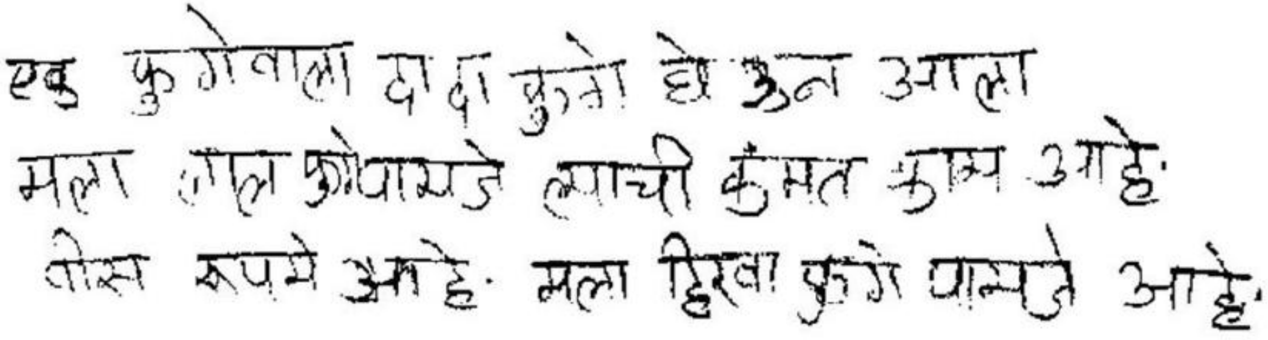

In Marathi:
with conventional spelling

एक फुगेवाला दादा फुगे घेऊन आला
मला लाल फुगा पाहिजे. त्याची किंमत काय आहे?
वीस रुपये आहे. मला हिरवा फुगा पाहिजे आहे.

Hindi translation

एक गुब्बारे वाला भैया गुब्बारे लेकर आया
मुझे लाल गुब्बारा चाहिए। उसकी कीमत कितनी है?
बीस रुपए। मुझे हरा गुब्बारा चाहिए।

धन्यवाद !!